SAWAN SHIVRATRI 2024 || सावन शिवरात्रि: इस पवित्र दिन पर कौन से कार्य करें और किन्हें करने से बचें ||

Sawan Shivratri 2024

सावन शिवरात्रि का महत्व:

सावन शिवरात्रि हिन्दू धर्म का एक महत्वपूर्ण त्योहार है, जो 2 अगस्त 2024 शुक्रवार को है, जो भगवान शिव को समर्पित होता है। यह सावन मास (श्रावण माह) के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि को मनाया जाता है। यह दिन विशेष रूप से भगवान शिव की उपासना के लिए महत्वपूर्ण माना जाता है और इस दिन शिव भक्त उपवास रखते हैं, मंदिरों में जाकर भगवान शिव का अभिषेक और पूजन करते हैं।

सावन शिवरात्रि की पूजा विधि:

1. **प्रातःकाल स्नान:** सूर्योदय से पहले उठकर स्नान करें और स्वच्छ वस्त्र धारण करें।
2. **शिवलिंग का अभिषेक:** शिवलिंग को गंगाजल, दूध, दही, घी, शहद और शुद्ध जल से स्नान कराएं।
3. **पूजा सामग्री:** बिल्व पत्र, धतूरा, भांग, चंदन, धूप, दीप, फल, फूल और नैवेद्य (प्रसाद) अर्पित करें।
4. **मंत्र जाप:** "ॐ नमः शिवाय" मंत्र का जाप करें और शिव चालीसा, शिव पंचाक्षर स्तोत्र का पाठ करें।
5. **रात्रि जागरण:** शिवरात्रि की रात को जागरण करें और भगवान शिव की चार प्रहर की पूजा करें।
6. **व्रत:** पूरे दिन उपवास रखें और केवल फलाहार करें।
7. **कथा सुनना:** शिवरात्रि व्रत कथा सुनें और सुनाएं।
8. **आरती:** शाम को और रात को शिव की आरती करें।

सावन शिवरात्रि व्रत कथा:

सावन शिवरात्रि व्रत कथा के अनुसार, एक बार एक निर्धन ब्राह्मण था जो भगवान शिव का बहुत बड़ा भक्त था। उसने हर साल सावन शिवरात्रि का व्रत रखा और शिवलिंग की पूजा की। उसकी भक्ति और श्रद्धा को देखकर भगवान शिव ने उसे दर्शन दिए और उसकी सभी मनोकामनाएं पूरी कीं। इस कथा से हमें यह सीख मिलती है कि भगवान शिव की सच्ची भक्ति और श्रद्धा से किसी भी कठिनाई को दूर किया जा सकता है और मनोकामनाएं पूर्ण हो सकती हैं।

सावन शिवरात्रि का लाभ:

सावन शिवरात्रि का उपवास और पूजा करने से भगवान शिव की कृपा प्राप्त होती है। यह व्रत विशेषकर जीवन में सुख, शांति, समृद्धि और मोक्ष प्रदान करने के लिए किया जाता है। भगवान शिव की विशेष पूजा और आराधना से सभी प्रकार के कष्टों और पापों का नाश होता है और भक्त को भगवान शिव का आशीर्वाद प्राप्त होता है।

सावन शिवरात्रि का पर्व भगवान शिव की भक्ति और श्रद्धा का पर्व है। इस दिन की पूजा, व्रत और ध्यान से भगवान शिव की कृपा और आशीर्वाद प्राप्त कर सकते हैं और जीवन में सकारात्मक बदलाव और सफलता पा सकते हैं।

सावन शिवरात्रि को करें ये कार्य:

1. **प्रातःकाल स्नान करें:** सूर्योदय से पहले उठकर स्नान करें और स्वच्छ वस्त्र धारण करें।पवित्र नदी या गंगाजल से स्नान करना अत्यंत शुभ माना जाता है।
2. **शिवलिंग की पूजा:** शिवलिंग को गंगाजल, दूध, दही, घी, शहद और शुद्ध जल से स्नान कराएं।बिल्व पत्र, धतूरा, भांग, चंदन, धूप, दीप, फल, फूल और नैवेद्य (प्रसाद) अर्पित करें।"ॐ नमः शिवाय" मंत्र का जाप करें और शिव चालीसा, शिव पंचाक्षर स्तोत्र का पाठ करें।
3. **रात्रि जागरण:** शिवरात्रि की रात को जागरण करें और भगवान शिव की चार प्रहर की पूजा करें।रात को शिवलिंग का अभिषेक करें और भगवान शिव के मंत्रों का जाप करें।
4. **व्रत रखें:** पूरे दिन उपवास रखें और केवल फलाहार करें। इस दिन अन्न का सेवन न करें।दिन भर जल का सेवन कर सकते हैं, लेकिन तामसिक भोजन से बचें।
5. **शिवरात्रि व्रत कथा सुनें:** शिवरात्रि व्रत कथा सुनें और दूसरों को भी सुनाएं।
6. **दान-पुण्य करें:** जरूरतमंदों को अन्न, वस्त्र और धन का दान करें।
7. **शिव की आरती करें:** शाम को और रात को भगवान शिव की आरती करें और प्रसाद वितरित करें।

सावन शिवरात्रि को न करें ये कार्य:

1. **तामसिक भोजन से बचें:** मांस, मछली, अंडा, प्याज और लहसुन जैसे तामसिक खाद्य पदार्थों का सेवन न करें।
2. **झूठ और छल से बचें:** इस दिन सत्य बोलें और किसी के साथ छल-कपट न करें।
3. **क्रोध और विवाद से बचें:** क्रोध, विवाद और झगड़े से दूर रहें। शांत और संयमित रहें।
4. **अहंकार और ईर्ष्या से बचें:** अहंकार और ईर्ष्या से दूर रहें और दूसरों के प्रति स्नेह और प्रेम बनाए रखें।

5. **अन्य धार्मिक कार्यों से बचें:** इस दिन केवल भगवान शिव की पूजा और व्रत पर ध्यान केंद्रित करें। अन्य धार्मिक कार्यों से बचें।
6. **रात को सोना नहीं चाहिए:** शिवरात्रि की रात को जागरण करना चाहिए। अगर संभव हो तो पूरी रात जागकर भगवान शिव की आराधना करें। सावन शिवरात्रि के दिन भगवान शिव की पूजा, व्रत और ध्यान करने से जीवन में सुख, शांति, समृद्धि और मोक्ष की प्राप्ति होती है। यह दिन भगवान शिव की भक्ति और श्रद्धा का पर्व है, इसलिए पूरी श्रद्धा और समर्पण के साथ इसे मनाना चाहिए।

Read More religious content on

vedicprayers.com